आरती श्री भैरव लाड़िले की

सुनो जी भैरव लाड़िले, कर जोड़े विनती करुं ।
कृपा तुम्हारी चाहिए, मैं ध्यान तुम्हारा ही धरुं ।।
मैं चरण छूता आपके, अर्जी मेरी सुन लीजिए ।
मैं हूं मति का मन्द, मेरी कुछ मदद तो कीजिए ।
महिमा तुम्हारी बहुत, कुछ थोड़ी सी मैं वर्णन करुं ।
सुनो जी भैरव.....
करते सवारी स्वान की, चारों दिशा में राज्य है ।
जितने भी है प्रेतादि सबके, आप ही सरताज हैं ।
हथियार हैं जो आपके, उसका क्या मैं वर्णन करुं ।
सुनो जी भैरव.....
भवानी के भवन मे तुम, नृत्य हो करते सदा ।
गाते हो मां के गुणन को, उनको रिझाते हो सदा ।
एक सांकली है आपकी, तारीफ उसकी क्या करुं ।
सुनो जी भैरव.....
बहुत सी महिमा तुम्हारी, मेहंदीपुर सरनाम है ।
आते जगत के यात्री, बजरंग का स्थान है ।
श्री प्रेतराज सरकार के, मैं शीश चरणों में धरुं ।
सुनो जी भैरव.....
निशदिन तुम्हारे खेल से, माता सदा ही खुश रहें ।
सिर पर तुम्हारे हाथ रख, आशीष नित देती रहें ।
कर जोड़ कर विनती करुं, अरु शीश चरणों में धरुं ।
सुनो जी भैरव.....

विवरण

हे भैरव लाड़िले मैं आपका मन से ध्यान करके, अपने दोनों हाथ जोड़कर आपसे विनती कर रहा हूँ, मुझे आपका आशीर्वाद चाहिए । मैं आपके कदमों को छू कर प्रणाम कर रहा हूँ । आप मेरी प्रार्थना को सुन

लीजिए । मैं बहुत ही तुच्छ बुद्धि की आदमी हूँ, आप मेरी सहायता कीजिए ।

आपकी महत्ता तो अनुपम है, पर अपनी छोटी बुद्धि के अनुसार मैं भी आपके महिमा का थोड़ा सा बखान करना चाहता हूँ । चारों दिशाओं में आप ही का राज्य चलता है एवं आप बत्तक की सवारी करते हो । प्रेत आदि जितने भी हैं, सबके
ऊपर आप ही का बस चलता है आपके हथियार तो अनेक हैं, उसका वर्णन करने में मैं असमर्थ हूँ ।

आपकी एक सांकली भी है, जिसका बखान मैं मन्द बुद्धि वाला आदमी कैसे करुँ ? आपकी अनेक महिमा हैं, जिसका मेहंदीपुर का भी नाम है, जो बजरंगबली का भी स्थान है, जहाँ आते जाते हुए लोग प्रेतराज महाराज के चरणों में शीश नवाते हैं ।

आपके नित्य नये-नये लीलाओं से आपकी माता का मन खुशी से झूम जाता हैं एवं आपके सिर पर हाथ रखकर वे आपको हमेशा आशीर्वाद देती रहती हैं ।
मैं आपको दोनों हाथ जोड़कर प्रार्थना कर रहा हूँ एवं अपना शीश आपके कदमों में झुका रहा हूँ । आप अपनी कृपा दृष्टि हमारे ऊपर बनाए रखिएगा ।

---

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.